व्याकरण ज्ञान 2

1. हमारी भाषा

सभी प्राणी अपने मन के भावों या अपनी बात को समझाने के लिए किसी-न-किसी माध्यम का प्रयोग करते हैं। अपनी बात दूसरों को कहना तथा दूसरों की बात सुनना या समझना भाषा है। जीव-जंतुओं की भी भाषा होती है।

- बच्चों को चित्र दिखाकर भाषा के बारे में समझाएँ।
- उन्हें भाषा के विभिन्न रूपों के बारे में बताएँ, जैसे- संकेत वाली भाषा, मौखिक भाषा तथा लिखित भाषा।
- अब चित्र दिखाकर बच्चों से भाषा के रूप पहचानने के लिए कहें।
- उनसे शब्दों का शुद्ध उच्चारण करवाएँ।
- पाठ में वर्णित उदाहरणों के अलावा बच्चों को सांकेतिक, मौखिक तथा लिखित भाषा संबंधी अन्य उदाहरणों से भी अवगत कराएँ। जैसे– ट्रैफिक पुलिस द्वारा संकेतों से ट्रैफिक नियमों का पालन करवाना, रेडियो सुनना, पत्र या कहानी लिखना, टेलीविजन देखना, अखबार पढ़ना आदि।
- बच्चों को उचित उदाहरण देकर मौखिक और लिखित भाषा में अंतर भी बताएँ।
- उन्हें हमारी राजभाषा हिंदी के बारे में बताएँ।
- संसार की विभिन्न भाषाओं के नामों से अवगत कराएँ।
- बच्चों से पाठ का अभ्यास करवाएँ। आवश्यकतानुसार इस कार्य में उनकी मदद करें।